Result Mitra Daily Magazine

C295 और Made–in–India

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने बड़ोदरा में एक प्लांट का उद्घाटन किया, जहां टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड (TASL) भारतीय वायु सेना (IAF) के लिए C295 विमान का निर्माण करेगी।
- TASL भारत में निजी क्षेत्र की पहली अंतिम असेंबली लाइन होगी।
- अक्टूबर 2022 में ही स्पेन के पीएम एवं श्री मोदी ने यहां फाइनल असेंबली लाइन (FAL) की आधारशिला रखी थी।

➢ C295 :

- इसका उत्पादन मूलत: 'Constructions Aeronautics SA' नामक स्पेनिश कंपनी द्वारा किया गया था, जो अब 'Airbus' का हिस्सा है।
- सितंबर 2021 में भारत ने 56 ऐसे विमान खरीदने के लिए Airbus Defence & Space के साथ एक समझौता किया था, जिसका उद्देश्य 'एयरो–748' विमानों को प्रतिस्थापित करना था।
- एयरो–748 विमान 1960 के दशक से ही सेवारत है।
- 13 सितंबर 2023 को भारत का पहला C295 विमान स्पेन के सेविले में प्राप्त हुआ।
- समझौते के अनुसार 40 C295 विमानों का निर्माण दोनों कंपनियों के बीच साझेदारी के रूप में नए प्लांट में निर्मित होगी।

- पहला 'Made–in–India' C295 विमान सितंबर 2026 तक उपलब्ध हो जाएगा, जबकि शेष 39 विमान अगस्त 2031 तक निर्मित हो जाएंगे।

➢ विशेषताएं :

- यह एक परिवहन विमान है, जिसकी क्षमता 5–10 टन है और अधिकतम रफ़्तार 480km/h है।
- इसमें त्वरित तैनाती के लिए एक रियर डोर रैंप है, जिससे सैनिकों एवं कार्गो को तेजी से चढ़ाया–उतारा जा सकता है।
- यह अर्द्ध–तैयार अवस्था में भी छोटी उड़ाने भरने में सक्षम है।
- यह सैनिकों एवं कार्गो के परिवहन के अलावा समुद्री गश्ती, हवाई चेतावनी, चिकित्सा निकासी, अग्निशमन सेवाएं, सशस्त्र हवाई सहायता, निगरानी एवं टोही एवं VIP परिवहन आदि में सक्षम है।
- यह Short–take Off–Landing करने में सक्षम है, अतः यह अर्द्ध–तैयार Runway पर भी 2200 फीट छोटी पट्टी पर भी Land एवं Take–off कर सकता है।
- यह सामरिक मिशनों के लिए 110 नॉट की गति से निम्न स्तरीय संचालन कर सकता है।
- इंजन एवं एवियोनिक्स जैसे घटक अमेरिकी कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी एवं कोलिंस एयरोस्पेस से प्राप्त किए गए हैं, जबकि अन्य घटक Airbus द्वारा TASL को हस्तांतरित किया जाएगा।
- इस विमान में 'भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड' द्वारा विकसित स्वदेशी रडार चेतावनी रिसीवर एवं मिसाइल अप्रोच चेतावनी प्रणाली भी लगा होगा।

➢ Make in India :

- इसकी शुरुआत 25 सितंबर 2014 को पीएम मोदी द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को डिजाइन एवं विनिर्माण क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनाना था।
- TASL संयंत्र भारत में निजी क्षेत्र के लिए इस कार्यक्रम के तहत पहली एयरोस्पेस कार्यक्रम है।

➢ प्रमुख स्तंभ :

1. नई प्रक्रियाएं :–

- कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने तथा उद्यमिता और स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के लिए 'Ease in business' एक महत्वपूर्ण कारक बन गया।

2. नया बुनियादी ढांचा :

- इसके तहत निम्न क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया :

Result Mitra TM

- औद्योगिक गलियारों एवं स्मार्ट शहरों का विकास,
- विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उच्च गति संचार को एकत्रित करना,
- बौद्धिक संपदा अधिकार में सुधार,

3. नए क्षेत्र :–

- रक्षा उत्पादन, बीमा, चिकित्सा उपकरण, निर्माण, रेलवे–बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को बढ़ावा देना।

4. नई मानसिकता :–

- इसके अंतर्गत सरकार औद्योगिक विकास और नवाचार का समर्थन करने के लिए एक नियामक के बजाय एक सुविधाकर्ता की भूमिका निभा रही है।
- इसके तहत सरकार देश के आर्थिक विकास में उद्योगों के साथ भागीदारी पर ध्यान देती है।

Result Mitra